

## वर्ल्ड प्रेस स्वतंत्रता दिवस 2024

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

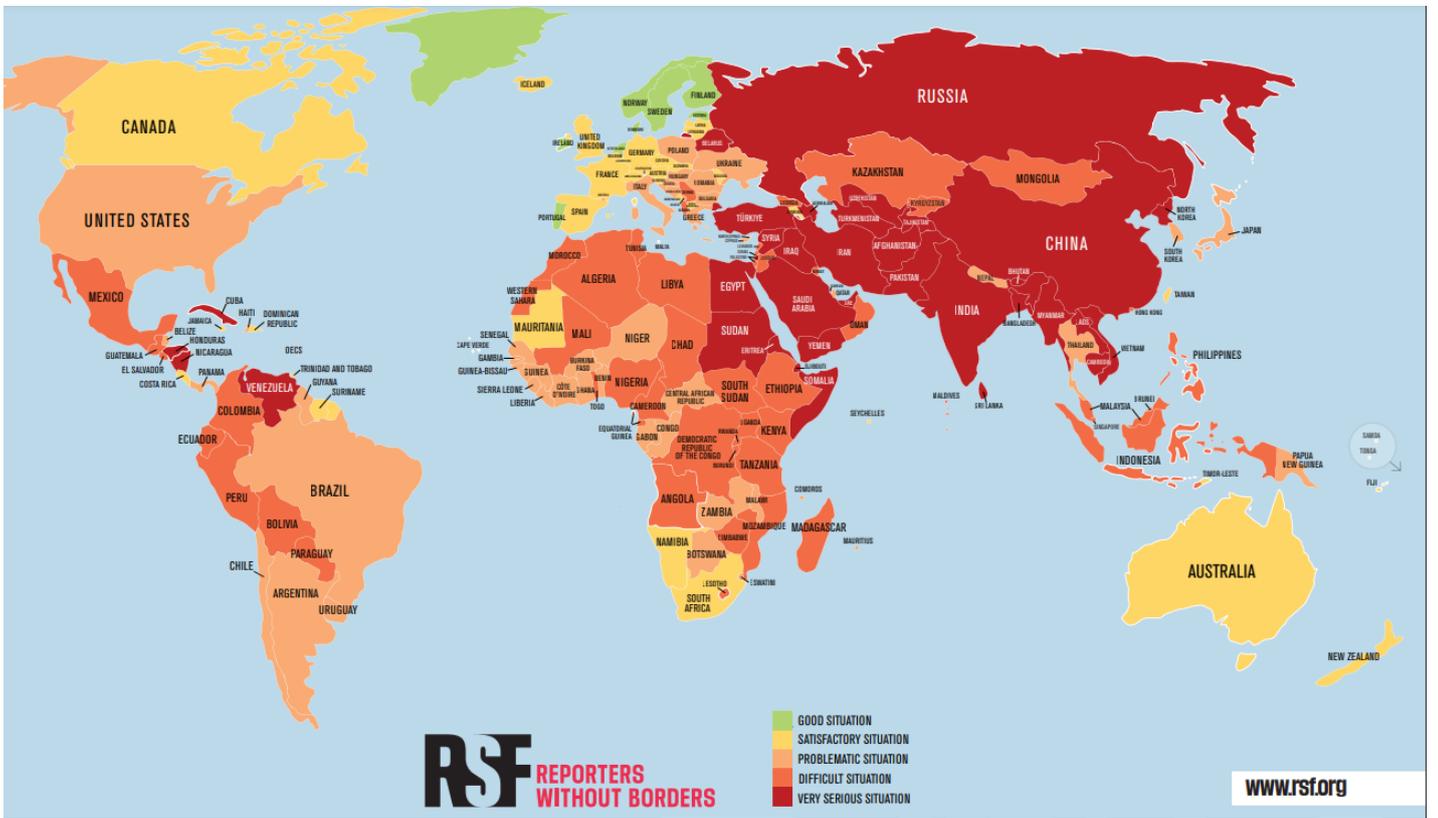
### चर्चा में क्यों?

3 मई 2024 को वर्ल्ड प्रेस स्वतंत्रता दिवस सम्मेलन के अवसर पर, [संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन \(United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization - UNESCO\)](#) ने एक नई रिपोर्ट जारी की जिसमें दुनिया भर में पर्यावरण पत्रकारों के वरिद्ध हिसा में वृद्धि का संकेत दिया गया है।

- इसने दुनिया भर में पर्यावरण पत्रकारों के वरिद्ध बढ़ती हिसा पर प्रकाश डाला, जिसमें **15 वर्षों में 44 पत्रकारों की हत्या हुई**।
- यह एशिया और प्रशांत क्षेत्र में हत्याओं की सबसे अधिक संख्या को दर्शाता है।

### वर्ल्ड प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक क्या है?

- **परिचय:**
  - यह वैश्विक मीडिया निगरानी संस्था **रिपोर्टर्स वदाउट बॉर्डर्स (RSF)** द्वारा जारी एक वार्षिक रिपोर्ट है।
- **वर्ष 2024 में भारत का स्कोर:**
  - भारत की स्थिति में मामूली सुधार हुआ है और यह वर्ष 2023 में 161वें से बढ़कर वर्ष 2024 में 180 देशों में 159वें स्थान पर पहुँच गई है।
  - रैंकिंग में बदलाव के बावजूद, भारत के स्कोर में गिरावट देखी गई, जो 36.62 से गरिकर 31.28 रह गया और साथ ही सुरक्षा संकेतक को छोड़कर सभी श्रेणियों में स्कोर कम हो गया।
  - RSF के अनुसार, वर्ल्ड के सबसे बड़े लोकतंत्र में 'प्रेस की स्वतंत्रता' खतरे में है।
    - जनवरी 2024 से अब तक भारत में 9 पत्रकारों और 1 मीडियाकर्मी को हरिसत में लिया जा चुका है।
  - [दूरसंचार अधिनियम 2023](#), [प्रसारण सेवा विनियमन विधियक, 2023](#) एवं [डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम 2023](#) जैसे कई कानून बड़े पैमाने पर मीडिया तथा सेंसर समाचारों को विनियमति करते हैं।
  - इस रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि आर्थिक तथा राजनीतिक दबाव मीडिया की स्वतंत्रता को सीमति करते हैं।
- **वैश्विक स्कोर:**
  - वर्ष 2024 की रिपोर्ट में नॉर्वे, डेनमार्क तथा स्वीडन क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। इरीट्रिया सूची में सबसे नीचे था और सीरिया उसके ठीक आगे था।



//

## वशिव प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक (WPFI):

- **वशिव प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक (World Press Freedom Index - WPFI)**, वर्ष 2002 से फर्राँस स्थति एक अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन RSF द्वारा संकलति एवं प्रकाशति देशों की एक वार्षकि रँकगि है ।
- यह वशेष रूप से प्रेस की स्वतंत्रता पर ध्यान केंद्रति करता है और जनि देशों का यह आकलन करता है उनके भीतरपत्रकारति की गुणवत्ता या व्यापक मानवाधिकार उल्लंघन का मूल्यांकन नहीं करता है ।
- प्रेस स्वतंत्रता प्रश्नावली में पाँच प्रमुख श्रेणियाँ शामिल हैं: राजनीतिक संदर्भ, कानूनी ढाँचा, आर्थकि संदर्भ, सामाजकि-सांस्कृतकि संदर्भ एवं सुरक्का ।

और पढ़ें... [भारत में प्रेस की स्वतंत्रता](#)

## UPSC सविलि सेवा परीक्का, वगित वर्ष के प्रश्न

**??????????:**

**प्रश्न.** नजिता के अधिकार को जीवन एवं व्यक्त्गित स्वतंत्रता के अधिकार के अंतर्भूत भाग के रूप में रक्षति कयिा जाता है । भारत के संवधान में नमिनलखिति में से कसिसे उपरयुक्त कथन सही एवं समुचित ढंग से अर्थति होता है? (2018)

- अनुच्छेद 14 एवं संवधान के 42वें संशोधन के अधीन उपबंध
- अनुच्छेद 17 एवं भाग IV में ददि राज्ज की नीतिके नदिशक तत्त्व
- अनुच्छेद 21 एवं भाग III में गारंटी की गई स्वतंत्रताएँ
- अनुच्छेद 24 एवं संवधान के 44वें संशोधन के अधीन उपबंध

उत्तर: (c)

**??????:**

**प्रश्न.** आप 'वाक् और अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य' संकल्पना से क्या समझते हैं? क्या इसकी परिधि में घृणा वाक् भी आता है? भारत में फलिमें अभिव्यक्ति के अन्य रूपों से तनकि भन्नि स्तर पर क्यों हैं? चर्चा कीजिय। (2014)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/world-press-freedom-day-2024>

